मत्स्य विभाग उत्तराखण्ड
आउटकम बजट प्रारूप 2017–18

क) चालू योजनायें

(धनराशि हजार में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
राज्य सैक्टर							
निदेशन तथा प्रशासन	विभागीय कार्यो के सम्पादन हेतु नियुक्त कार्मिकों के वेतन भत्तो आदि का भुगतान, कार्यो के सम्पादन हेतु लेखन सामग्री, कम्प्यूटर स्टेशनरी, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, विद्युत बीजक, आदि की व्यवस्था	87835	.	167 स्थायी कार्मिक, 11 अस्थायी/पी0आर0डी0 कार्मिकों का वेतन/मानदेय आहरण, 01 मत्स्य निदेशालय, 13 जनपदीय कार्यालय एवं 02 मण्डलीय कार्यालयों के संचालन हेतु विभिन्न आकस्मिक व्यय	एक वर्ष	मत्स्य बीज एवं मत्स्य उत्पादन में सक्षम राज्य का निर्माण तथा जलराशियों में संतुलित मात्स्यिकी स्थिति	एक वर्ष
अनुसूचित जाति उपयोजना (एस0सी0एस0पी0)	अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याणार्थ तालाब निर्माण तथा आधुनिकतम जानकारियॉ उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रशिक्षण, गोष्ठियों आदि का संचालन	10000	-	मैदानी तालाब निर्माण – 8.00 है0 (40 यूनिट) पर्वतीय तालाब निर्माण– 1.26 है0 (126 यूनिट) प्रशिक्षण – 126 फील्ड भ्रमण – 126 सेमिनार – 11	एक वर्ष	प्रदेश में लगभग 43.35 टन मत्स्य उत्पादन की वृद्वि एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति हेतु लगभग 206 प्रत्यक्ष रोजगार सृजन। मत्स्य पालन का आधुनिकतम ज्ञान।	एक वर्ष
अनुसूचित जनजाति उपयोजना (टी0एस0पी0)		6000	-	मैदानी तालाब निर्माण– 6.00 है0 (30 यूनिट) पर्वतीय तालाब निर्माण– 0.80 है0 (80 यूनिट) प्रशिक्षण – 74 फील्ड भ्रमण – 74 सेमिनार – 04	एक वर्ष		एक वर्ष
पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजना	पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाबों का निर्माण एवं आदर्श मत्स्य पालकों का चिन्हीकरण	3000	-	आदर्श तालाब निर्माण– 0.40 है0 (20 यूनिट)	एक वर्ष	प्रदेश में लगभग 2.91 टन मत्स्य उत्पादन की वृद्वि एवं 115 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के साथ–साथ मत्स्य पालकों का मात्स्यिकी क्षेत्र में कौशल विकास	एक वर्ष
पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण योजना	पर्वतीय क्षेत्रों में निर्बल वर्ग हेतु छोटे–छोटे मत्स्य तालाबों का निर्माण	4000	-	तालाब निर्माण– 0.55 है0 (110यूनिट) प्रशिक्षण – 88 फील्ड ट्रिप – 88 सेमिनार/गोष्ठी – 11	एक वर्ष		एक वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
राज्य मात्स्यिकी इनपुट योजना	कार्यरत मत्स्य पालको को मत्स्य पालन की इनपुट सामग्रियॉ उपलब्ध कराया जाना	2000	-	आहार वितरण – 94.80 टन जाल वितरण – 189 हैण्डनेंट वितरण – 161 मेडिसीन किट – 161	एक वर्ष	85 तालाबों में मत्स्य उत्पादकता में दोगुना वृद्वि। साथ ही 130 तालाबों हेतु मत्स्य पालन की इनपुट सामग्रियों की उपलब्धता।	एक वर्ष
मत्स्य विभाग के आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण	मत्स्य विभाग के आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण		2500	मत्स्य प्रक्षेत्र बौर, उधमसिंहनगर में टाईप I के 02 संख्या आवासीय भवनों का निर्माण	पांच वर्ष	आवासीय एवं अनावासीय व्यवस्था	पांच वर्ष
केन्द्रपोषित योजनायें							
राज्य स्तरीय मत्स्य स्वास्थ्य अनवेषण एवं जलीय गुणवत्ता प्रयोगशाला की स्थापना (75 प्रतिशत केन्द्रांश)	मत्स्य रोगों के निदान, मिट्टी एवं जल की गुणवत्ता जांच किये जाने हेतु प्रदेश में एक राज्य स्तरीय मत्स्य प्रयोगशाला की स्थापना	-	1500	प्रयोगशाला हेतु उपकरण क्रय	एक वर्ष	राज्य में मत्स्य रोगों का निदान, मिट्टी/जल की गुणवत्ता परीक्षण कार्य	एक वर्ष
मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार (80 प्रतिशत केन्द्रांश)	प्रदेश में एक ऐवयरनेस सैन्टर का निर्माण एवं मत्स्य पालको को प्रशिक्षण	-	2000	प्रशिक्षण केन्द्र हेतु फर्नीचर क्रय	एक वर्ष	मत्स्य पालकों के आधुनिक प्रशिक्षण हेतु सेन्टर की सुनिश्चितता	एक वर्ष
डाटा बेस एवं सूचना प्रणाली का सशक्तीकरण (नील क्रांति)	प्रदेश के समस्त जलस्रोतों एवं तत्सम्बन्धी मत्स्य आंकड़े एकत्रित किया जाना	3000	-	योजना में नियुक्त 01 कार्मिक एवं 03 प्रस्तावित कार्मिकों का वेतन/भत्तो का भुगतान	एक वर्ष	प्रदेश के जलस्रोतों एवं मत्स्य आंकड़ों का डाटा बेस तैयार।	एक वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
ब्लू रिवोल्यूशन : समन्वित विकास एवं मात्स्यिकी प्रबन्धन (केन्द्रपोषित योजनायें)							
मीठा जल मात्स्यिकी (नील क्रांति)	मत्स्य उत्पादन में वृद्वि हेतु समस्त तालाबों एवं अन्य जलराशियों में फिंगरलिंग संचय की सुनिश्चिता हेतु रियरिंग यूनिटों का निर्माण किया जाना तथा नये जलक्षेत्र विकसित कर मत्स्य उत्पादन में वृद्वि किया जाना	9900	-	रियरिंग यूनिट निर्माण – 14.00 हैक्टेयर रियरिंग यूनिट हेतु इनपुट – 14.00 हैक्टेयर	एक वर्ष	प्रदेश में लगभग 34.00 लाख फिंगरलिंग उत्पादन एवं 21 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के साथ–साथ मत्स्य पालन को बढ़ावा	एक वर्ष
शीतजल मात्स्यिकी (नील क्रांति)	पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य पालन को प्रोत्साहित किया जाना एवं मुख्यतः ट्राउट फार्मिंग को प्रसारित करते हुए रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना	15000	-	रनिंग वाटर तालाब निर्माण – 36 यूनिट ट्राउट रसेवेज निर्माण – 27 यूनिट निर्मित ट्राउट रेसवेज हेतु इनपुट – 27 यूनिट	एक वर्ष	प्रदेश में लगभग 8.00 मै0 टन मत्स्य उत्पादन एवं 27 मै0 टन ट्राउट मत्स्य उत्पादन की वृद्वि तथा 45 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार सृजन के साथ–साथ पर्वतीय जनपदों में ट्राउट मत्स्य पालन को प्रोत्साहन	एक वर्ष
मत्स्य पालकों का कौशल विकास/प्रशिक्षण(नील क्रांति)	प्रदेश के मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन की नवीनतम तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारियॉ उपलब्ध कराना जिससे कि मत्स्य पालक वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन करते हुए अधिक से अधिक मत्स्य उत्पादन में वृद्वि लाते हुए अधिक आय प्राप्त कर सके।	2000	-	मत्स्य पालकों का कौशल विकास/ प्रषिक्षण – 05 बैच (250 प्रशिक्षणार्थी)	एक वर्ष	300 कौशल मत्स्य पालक एवं वैज्ञानिक विधि से मत्स्य पालन कार्य	एक वर्ष
जलाशय मात्स्यिकी – केज कल्चर (नील क्रांति)	वृहद्व जलस्रोत यथा जलाशय, झीलो आदि में केज की स्थापना कर उसी क्षेत्रफल से अधिक मत्स्य उत्पादन प्राप्त करते हुए सघन मत्स्य पालन को बढ़ावा।	10000	-	केज की स्थापना – 33	एक वर्ष	जनपद उधमसिंहनगर स्थित बौर एवं हरिपुरा तथा बैगुल जलाशय में प्राप्त होने वाले मत्स्य उत्पादन के अतिरिक्त 99 टन मत्स्य उत्पादन की प्राप्ति	एक वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
सोलर पावर सर्पोट सिस्टम (नील क्रांति)	राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्रों/निजी क्षेत्र में सोलर पावर सर्पोट सिस्टम की स्थापना कर विद्युत ऊर्जा की बचत एवं विद्युत पर होने वाला व्यय को कम करते हुए बिना विद्युत आपूर्ति के भी कार्यो को सम्पादन किया जाना।	-	1500	सोलर पावर सर्पोट सिस्टम की स्थापना – 1	एक वर्ष	1 सोलर पावर सर्पोट सिस्टम की स्थापना तथा सौर ऊर्जा के माध्यम से तालाबों में जलापूर्ति कर बिजली की बचत	एक वर्ष
इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं मार्केटिंग (नील क्रांति)	राज्य में मछली के सुगमतापूर्वक विपणन तथा बाजार में ताजी मछली के विक्रय हेतु विपणन की व्यवस्थायें सुनिश्चित करना। राज्य में मत्स्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देते हुए जनसामान्य हेतु ताजी मछली एवं मछली के विभिन्न व्यंजनों की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना।	-	1350	इन्स्युलेटेड ट्रक क्रय (क्षमता 06 टन) – 01 मोटर साईकिल विद आईस बॉक्स – 08 (संख्या) मोबाईल फिश आउटलेट – 05 (संख्या)	एक वर्ष	विपणन हेतु इन्स्युलेटेड ट्रक एवं मोटर साईकिल की व्यवस्था जिनसे प्रतिवर्ष लगभग 1536 मैट्रिक टन से अधिक ताजी मछली का विपणन। मोबाईल फिश आउटलेट की स्थापना से चयनित स्थलों पर ताजी मछली एवं मछली के विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की उपलब्धता।	एक वर्ष
ब्रूड बैंक की स्थापना (नील क्रांति)	राज्य में नयी प्रजातियों एवं गुणवत्तायुक्त ब्रूडर एवं मत्स्य बीज की उपलब्धता हेतु राज्य स्तरीय ब्रूड बैंक की स्थापना	-	10000	मेजर कार्प ब्रूडर – 1600	एक वर्ष	मत्स्य बीज उत्पादन हेतु उन्नत किस्म एवं उच्च वृद्वि दर वाले ब्रूडरों की उपलब्धता जिससे लगभग 4.80 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन।	एक वर्ष
योग		**152735**	**18850**				

आउटकम बजट प्रारूप 2017–18

ख) नयी योजनायें

(धनराशि ₹ लाख में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्प्ति (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
ब्लू रिवोल्यूशन : समन्वित विकास एवं मात्स्यिकी प्रबन्धन (केन्द्रपोषित योजनायें)							
रिवराईन फिशरीज – संरक्षण व संवर्द्धन	राज्य की नदियों में मात्स्यिकी संरक्षण व संवर्द्धन हेतु स्थानीय जनसमुदाय के मध्य जनचेतना कार्यक्रम संचालित कर व्यक्ति को जागरूक	400	-	नदियों में मात्स्यिकी संरक्षण व संवर्द्धन होने के साथ ही स्थानीय व्यक्तियो में मत्स्य संरक्षण की जागरूकता	एक वर्ष	चयनित नदियों में उनकी जलीय स्थिति के अनुरूप स्थानीय मत्स्य प्रजातियों की उपलब्धता	एक वर्ष
जलभराव क्षेत्रों का विकास (नील क्रांति)	मैदानी जनपदों में उपलब्ध अप्रयुक्त जलभराव क्षेत्रों को विकसित कर मत्स्य पालन हेतु प्रयोग	6500	-	जनपद हरिद्वार में उपलब्ध अप्रयुक्त जलभराव क्षेत्रों में से 10 हैक्टेयर क्षेत्रफल को विकसित कर मत्स्य पालन कार्य किया जाना	एक वर्ष	विकसित जलक्षेत्र मत्स्य पालन हेतु मत्स्य पालकों को आंवटित किये जाने से रोजगार की उपलब्धता तथा 61.90 मैट्रिक टन मत्स्य उत्पादन वृद्वि।	एक वर्ष
पंगेशियस मत्स्य पालन हेतु स्पेशल परियोजना (नील क्रांति)	राज्य में पंगेशियस मत्स्य पालन को प्रोत्साहन प्रदान करते हुए पंगेशियस मत्स्य पालन को राज्य में स्थापित किया जाना	7500	-	राज्य में पंगेशियस मत्स्य पालन को प्रारम्भ करते हुए पूर्व से कार्यरत मत्स्य पालकों के जलस्रोतों में 7.20 हैक्टेयर क्षेत्रफल में पंगेशियस मत्स्य पालन प्रारम्भ किया जाना।	एक वर्ष	कार्यरत मत्स्य पालकों की आय को दोगुना करते हुए 400 मैट्रिक टन मत्स्य उत्पादन वृद्वि।	एक वर्ष
ब्लू रिवोल्यूशन – प्रशासनिक व्यय (नील क्रांति)	ब्लू रिवोल्यूशन कार्यक्रम के सफल संपादन हेतु प्रचार प्रसार, जियो टैंगिग, वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, जनपद/ब्लॉक स्तर पर मीटिंग,	5011	-	ब्लू रिवोल्यूशन कार्यक्रम हेतु व्यापक प्रचार प्रसार, जियो टैंगिग, गोष्ठियॉ, बैठक, प्रोजेक्टों की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी, कार्यो का अनुश्रवण, वांछित हार्डवयेर व सॉफ्टवेयर क्रय, आदि	एक वर्ष	राज्य में ब्लू रिवोल्यूशन कार्यक्रम का सफल संपादन करते हुए वर्ष 2020 तक मत्स्य उत्पादन को दोगुना किया जाना।	एक वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (परिव्यय)		परिकल्प्ति (प्रोजेक्टेड) आउटपुट	समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत				
मिशन फिंगरलिंग (नील क्रांति)	राज्य के जलस्रोतों में संचय हेतु फिंगरलिंग की उपलब्धता हेतु निजी क्षेत्र में रियरिंग यूनिटों का निर्माण तथा रियरिंग यूनिटों हेतु मत्स्य बीज की उपलब्धता के लिए हैचरी की स्थापना।	10000	-	निजी क्षेत्र में कुल 12 हैक्टेयर रियरिंग यूनिटों का निर्माण एवं 01 कार्प मत्स्य बीज उत्पादन हैचरी की स्थापना	एक वर्ष	स्थापित हैचरी से प्रतिवर्ष 10 मिलियन फ्राय (मत्स्य बीज) का उत्पादन। रियरिंग यूनिटों से प्रतिवर्ष 36.00 लाख फिंगरलिंग का उत्पादन।	एक वर्ष
फिश फीड मिल एवं हैचरियों की स्थापना (नील क्रांति)	राज्य में मत्स्य बीज की उपलब्धता हेतु राजकीय एवं निजी क्षेत्र में हैचरियों की स्थापना। तथा पूरक आहार प्रणाली हेतु राज्य में मत्स्य आहार की उपलब्धता हेतु फीड मिल की स्थापना।	-	7500	07 कार्प फीड मिल, 01 ट्राउट फीड प्लांट एवं 01 मदर ट्राउट हैचरी की स्थापना	एक वर्ष	प्रतिवर्ष 5760 मैट्रिक टन ट्राउट मत्स्य आहार उत्पादन एवं प्रतिवर्ष 540 मैट्रिक टन कार्प फीड उत्पादन एवं प्रतिवर्ष 20 लाख ट्राउट आईड ओवा का उत्पादन, जिनसे राज्य में मत्स्य उत्पादन के कार्यो का निष्पादन होगा।	एक वर्ष
मत्स्य प्रक्षेत्र एवं हैचरियों का सुदृढीकरण (नील क्रांति)	राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्रों एवं हैचरियों से मत्स्य बीज उत्पादन की निरन्तरता को बनाये रखने तथा उत्पादन क्षमता में वृद्वि हेतु पूर्व स्थापित हैचरियों/प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण	-	3089	हेमपुर हैचरी, काशीपुर एवं मत्स्य प्रक्षेत्र तुमड़िया एवं मत्स्य प्रक्षेत्र पनियाला का सुदृढीकरण की कुल वर्तमान मत्स्य बीज उत्पादन क्षमता 10.00 करोड़ में वृद्वि लाया जाना।	एक वर्ष	हेमपुर हैचरी, काशीपुर एवं मत्स्य प्रक्षेत्र तुमड़िया एवं मत्स्य प्रक्षेत्र पनियाला के सुदृढीकरण कार्यो कर प्रतिवर्ष 15.30 करोड मत्स्य बीज उत्पादन प्राप्त किया जाना।	एक वर्ष
योग		**29411**	**10589**				